

---

# Kashi Stuti

—  
—  
कशीस्तुतिः  
—  
—

## Document Information



---

Text title : Kashi Stuti

File name : kAshIstutiH.itx

Category : shiva, stuti, tIrthakShetra, ShaTkam

Location : doc\_shiva

Author : Swami Umeshvaranand Tirth

Proofread by : Paresh Panditrao

Description/comments : Ganga Mahatmya And Stuti Ratnavali By Swami Umeshvaranand Tirth

Latest update : July 8, 2023

Send corrections to : [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 8, 2023

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Kashi Stuti

---

### काशीस्तुतिः

---



धन्यासिकाशी शिवधन्यकाशी

गायन्तिमर्त्या सुभदाऽसि काशी ।

तवैव क्रोडः एव वसतोऽसि श्रुवाः

कालात् सुभीता नभवन्ति काशी ॥ १ ॥

धन्यासि काशी सुभशान्ति राशी

धोराभ्यकारे धनज्योति राशी ।

श्रुवान् स्वज्ञानेनप्रकाशदाऽसि

धन्याऽसि काशी शिववासदाऽसि ॥ २ ॥

काश्यां मरणा मात्रेण श्रुवानां श्रीसदाशिवः ।

ददाति तारकं मन्त्रं तेन श्रुवोविमुच्यते ॥ ३ ॥

मरणासन्न श्रुवानां दक्षिणे कर्णगोलके ।

ददाति विमलं ज्ञानं निर्वाण पददायकम् ॥ ४ ॥

अस्मिन्क्षेत्रे मृताश्रुवा मुक्ताश्चैव न संशयः ।

एतिशास्त्र प्रमाणानि प्रवदन्तिमनीषिणः ॥ ५ ॥

जटा विशाला नयना विशालाः

इण्डीन्द्रमाला परमा विशाला ।

अगाधगाम्भीर्यं विमुक्तिशालां

कालस्थ कालं प्रणामामि शम्भुम् ॥ ६ ॥

एति श्री स्वामी उमेश्वरानन्दतीर्थविरचितं काशीषटकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Paresh Panditrao

---



*Kashi Stuti*

pdf was typeset on July 8, 2023



Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

